बिहार विधान मंडल पुस्तकालय
कोष/संदर्भ ग्रंथ

खण्ड : 2

संख्या : 2, 3, 4, 5, 6

दशम् बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(द्वितीय सत्र)

(भाग-1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

सत्यमेव जयते

सोमवार, दिनांक : **25 जून 1990 ई०**
मंगलवार, दिनांक : **26 जून 1990 ई०**
बुधवार, दिनांक : **27 जून 1990 ई०**
वृहस्पतिवार, दिनांक : **28 जून 1990 ई०**
शुक्रवार, दिनांक : **29 जून 1990 ई०**

टर्म लोन 137.00 लाख रु० दिये गये हैं। और 25.00 लाख रु० सबसिडी के रूप में दिये गये हैं। इस प्रकार कुल 417.00 लाख रु० का उपबंध किया जा चुका है। इस तरह फंड के अभाव में कार्य अवरूद्ध होने का प्रश्न नहीं उठता है।

(3) यदि उपरोक्त खंडों का उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार निधि आवंटित कर फैक्ट्री का निर्माण कार्य पूरा करने का विचार रखती है?

(3) कंडिका-2 से स्थिति स्पष्ट हो जाती है।

पेपर मिल को चालू करना

14. **श्री श्याम नारायण प्रसाद :** क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

प्रभारी मंत्री :

(1) क्या यह बात सही है कि पश्चिम चम्पारण जिलान्तर्गत वगहा में एक पेपर मिल है;

(1) उत्तर स्वीकारात्मक है। पश्चिम चम्पारण के वगहा में सर्वश्री नार्थ बिहार पल्प एवं पेपर कम्पनी लि० नामक एक पेपर मिल है।

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त पेपर मिल चालू होन के बाद बन्द कर दी गई;

(2) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार पेपर मिल को चालू कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

(3) निजी कम्पनी के प्रबन्धन द्वारा बी०आई०एफ०आर० के समक्ष इस कम्पनी का मामला रखा गया।

दिनांक 10.5.89 को बी०आई०एफ० द्वारा सुनवाई की गई तथा यह निर्णय लिया गया कि चूँकि वर्त्तमान में इस कम्पनी में मात्र 7 ही कर्मचारी है। अतः ''सिक इन्डस्ट्रीयल कम्पनीज एक्ट'' की धारा के प्रावधान के तहत इस कम्पनी को इन्डस्ट्रीयल कम्पनी के रूप में मान्यता नहीं दी जा सकती है। बी०आई०एफ०आर० द्वारा इस मामला को रद्द कर दिया गया।

यह निजी क्षेत्र की कम्पनी है तथा सरकार आने स्तर से इसे चालू कराने का विचार नहीं रखती है।

श्री सिंह का स्थानान्तरण

16. **श्री बाबू लाल :** क्या मंत्री, गृह विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :-

श्री लालू प्रसाद यादव :